Literacy for a Billion

Movie: Jab Jab Phool Khile
Year: 1965

Song: Yeh Samaa Samaa Hai Yeh
Lyricist: Anand Bakshi

उ हूँ ...

ये समाँ
समाँ है ये प्यार का
किसी के इंतज़ार का
दिल ना चुरा ले कहीं मेरा
मौसम बहार का

ये समाँ
समाँ है ये प्यार का
किसी के इंतज़ार का
दिल ना चुरा ले कहीं मेरा
मौसम बहार का

बसने लगे आँखों में
कुछ ऐसे सपने
बसने लगे आँखों में
कुछ ऐसे सपने
कोई बुलाए जैसे
नैनों से अपने
नैनों से अपने

ये समाँ
समाँ है दीदार का
किसी के इंतज़ार का
दिल ना चुरा ले कहीं मेरा
मौसम बहार का

हूँ ...

उ हूँ ...

मिलके ख़यालों में ही
अपने बलम से
मिलके ख़यालों में ही
अपने बलम से

नींद गँवा ली अपनी
मैंने क़सम से
मैंने क़सम से

ये समाँ
समाँ है खुमार का
किसी के इंतज़ार का
दिल ना चुरा ले कहीं मेरा
मौसम बहार का

मैं तो हूँ सपनों के
राजा की रानी
मैं तो हूँ सपनों के
राजा की रानी

सच हो ना जाए
ये झूठी कहानी
झूठी कहानी

ये समाँ
समाँ है इक़रार का
किसी के इंतज़ार का

दिल ना चुरा ले कहीं मेरा
मौसम बहार का
ये समाँ

समाँ है ये प्यार का
उ हूँ ...
उ हूँ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.